जॉन एलिया के खत मेरे नाम

मई 13, 2030

अनवर को बहुत सारे खत लिखे, मगर उसका जवाब नही आ पाया।

तुम्हें तो पता ही होगा कि पाकिस्तान में ब्लैक आऊट हो गया है और सारी दुनिया से कट के रह गया है। मगर ये बात मुझे तो काफी देर बाद पता चला।

कहते हैं न कि मारता क्या न करता। तो इसलिए मज़बूरी में तुमको खत लिख रहा हूं।

तो हिंदुस्तान (भारत,हिन्दूस्थान) में किसी को खत लिखने के वास्ते मौलाना आजाद के पास गया जो गांधी, नेहरू व पटेल (तीनों ने धोती पहन रक्खा था)। मौलाना ने रफी के पास भेज दिया।

खैर हम रफी के घर गए,उन से दुआ सलाम हुआ और चाय व खजूर के दावत के बात माजरत करते हुए मौलाना मोहानी का ठिकाना बताया।

सलाम से याद आया कि तुम्हें बिना सलाम - अदब किए बात शुरू कर दिया। इसकी भी वजह है: अनवर से जब आखिरी खत व किताबत हुई थी तो उसने स्क्रॉल के आर्टिकल का कटिंग भेजा था। इसलिए मैं डर गया।

फिर मैं मौलाना से मिला और उनके पास घंटों वक़्त बिताया, हम नमाज़ भी साथ पढ़े। जनाब हर नमाज़ में रोते थे।

मौलाना कहते हैं कि हिंदूस्थान के पार्लियामेंट में कोइ बैरिस्टर है उसने एक ऑर्डिनेंस की तज़वीस दी है उसके तहत जनवरी 22, 2024 के बाद पाकिस्तान में जितने मस्जिद व मदरसे बने हैं उनको ड्रोन से मिटा दिया जाए। और इस काम के अंजाम के लिए किसी कर्नल साहिबा को चुना गया है।

उधर जमीयत चिल्ला रही है कि मार्च 24, 1940 के बाद जो भी मदरसे - मस्जिद बने हैं तोड़ दिया जाए। इस मांग को INDIA एलायंस का भी हामी है।

साथ साथ बरेलवी व अहले हदीस का भी अपना टाइमलाइन हैं: अक्टूबर 28, 1921 और मई 6, 1831 ।

मगर आगाखानी , बोहरा और इनके रिश्तेदारों ने अलग ही उद्यम मचा रखा है।

इनका टाइमलाइन पे भरोसा नहीं है बल्कि कई वॉल्यूम का लिस्ट हैं।
मैं खत लिख कर शायद न भेजता मगर मौलाना के इसरार पर भेज रहा हूं।
अब और मुझे कुछ नहीं कहना हैं।

मौलाना ने सलाम व दुआ भेजा है।

नोट: ये खत रौशनाइ से नहीं बल्कि मौलाना के खून के आंसु से लिखा गया है।

- जॉन एलिया